d{kk IX d fy, 0;kdj.k

vad

1. वर्ण परिचय तथा उच्चारण–स्थान। 2

2. संधि परिचय तथा उसके भेद–स्वर संधि, दीर्घ, गुण, यण्, वृद्धि आदि। 6

3. शब्दरूप 3
   (क) स्वरान्त–बालक, फल, लता, मुनि, पति, भूपति, नदी, भानु, धेनु, मधु, पितृ, मातृ आदि।
   (ख) व्यंजनान्त–राजन्, भवत्, आत्मन्, विद्वस्, चन्द्रमस्, वाच्, गच्छत् (शत्रन्त)।
   (ग) सर्वनाम–सर्व, यत्, तत्, किम्, इदम् (सभी लिंगों में) अस्मद् तथा युष्मद्।
   (घ) संख्यावाची शब्द–एक से पचास तक।

4. धातुरूप – (लट्, लङ्, लृट्, लोट्, विधिलिङ्,) 3
   (क) भ्वादिगण– भू, पा, श्रु, गम्, पच्, पठ्, लिख्, स्था, दृश्, अस्, सेव्, लभ्।
   (ख) अदादिगण–अद्, ब्रू
   (ग) स्वादि गण– चि (चुनना), शक्
   (घ) तुदादिगण–तुद्, इष्, मिल्, सिच्
   (ङ) क्र्यादिगण– क्री
   (च) चुरादिगण– चुर्, भक्ष्, कथ

5.	उपसर्ग	2
6.	प्रत्यय	5
	(क) स्त्रीप्रत्यय–टाप्, डीप्, ङीष्, ङीन्	
	(ख) कृदन्तप्रत्यय– क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, शतृ, शानच्, क्तिन्	
	(ग) तद्धित प्रत्यय–मतुप्, इनि, तरप्, तमप्, मयट्	
7.	कारकों का सामान्य ज्ञान	5
8.	समास का सामान्य परिचय–द्वन्द्व, तत्पुरुष द्विगु	4
9.	रचना	
	(क) हिन्दी अंग्रेजी के सरल वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।	5
	(ख) अपठित अनुच्छेद पर आधारित संस्कृत में प्रश्नोत्तर।	5
	(ग) चित्र पर आधारित संस्कृत में वाक्य रचना।	5
	(घ) प्रार्थना पत्र	5